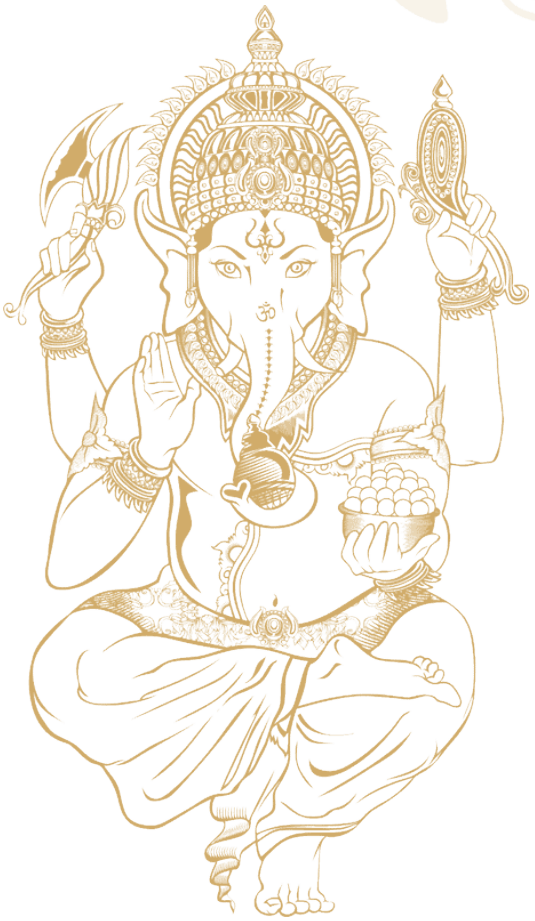

Kritika

27 Aug 2025

10:21 AM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121400802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/08/2025**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:21:00 घंटे**
इष्ट	11:33:20 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:14:36 घंटे
वेलान्तर	-00:01:32 घंटे
साम्पातिक काल	08:37:20 घंटे
सूर्योदय	05:43:40 घंटे
सूर्यास्त	18:31:34 घंटे
दिनमान	12:47:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	09:58:34 सिंह
लग्न के अंश	10:36:58 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पैनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:36:58	314:31:38	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			सिंह	09:58:34	00:57:56	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	25:29:13	12:03:34	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	18:35:36	00:38:40	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध			कर्क	24:17:38	01:39:20	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	22:46:39	00:11:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	07:35:41	01:11:42	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	06:07:47	00:03:54	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	24:07:49	00:01:18	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	24:07:49	00:01:18	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:12:18	00:00:30	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:15:44	00:01:26	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:38:50	00:01:09	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	12:43:17	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

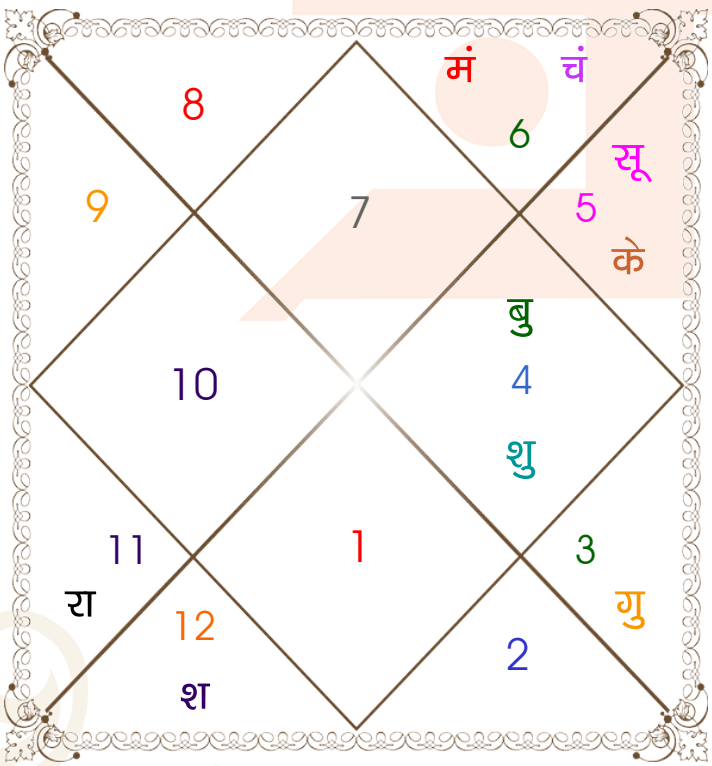

चन्द्र कुंडली

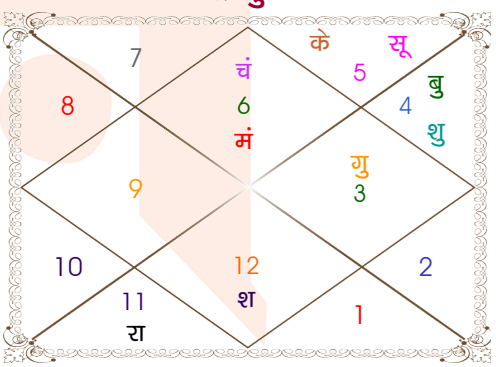

नवमांश कुंडली

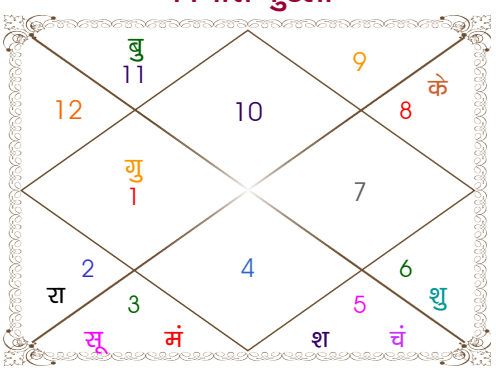

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 10 मास 13 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
27/08/2025		11/07/2031		10/07/2049		10/07/2065		10/07/2084	
11/07/2031		10/07/2049		10/07/2065		10/07/2084		11/07/2101	
	27/08/2025	राहु	23/03/2034	गुरु	28/08/2051	शनि	13/07/2068	बुध	07/12/2086
राहु	25/12/2025	गुरु	16/08/2036	शनि	11/03/2054	बुध	23/03/2071	केतु	04/12/2087
गुरु	01/12/2026	शनि	22/06/2039	बुध	16/06/2056	केतु	01/05/2072	शुक्र	04/10/2090
शनि	09/01/2028	बुध	09/01/2042	केतु	23/05/2057	शुक्र	02/07/2075	सूर्य	10/08/2091
बुध	06/01/2029	केतु	27/01/2043	शुक्र	22/01/2060	सूर्य	13/06/2076	चंद्र	09/01/2093
केतु	04/06/2029	शुक्र	27/01/2046	सूर्य	09/11/2060	चंद्र	12/01/2078	मंगल	06/01/2094
शुक्र	04/08/2030	सूर्य	22/12/2046	चंद्र	11/03/2062	मंगल	21/02/2079	राहु	25/07/2096
सूर्य	10/12/2030	चंद्र	22/06/2048	मंगल	15/02/2063	राहु	28/12/2081	गुरु	31/10/2098
चंद्र	11/07/2031	मंगल	10/07/2049	राहु	10/07/2065	गुरु	10/07/2084	शनि	11/07/2101

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/07/2101		11/07/2108		11/07/2128		11/07/2134		11/07/2144	
11/07/2108		11/07/2128		11/07/2134		11/07/2144		00/00/0000	
केतु	07/12/2101	शुक्र	10/11/2111	सूर्य	29/10/2128	चंद्र	12/05/2135	मंगल	07/12/2144
शुक्र	07/02/2103	सूर्य	10/11/2112	चंद्र	29/04/2129	मंगल	11/12/2135	राहु	28/08/2145
सूर्य	14/06/2103	चंद्र	11/07/2114	मंगल	04/09/2129	राहु	11/06/2137		00/00/0000
चंद्र	13/01/2104	मंगल	11/09/2115	राहु	30/07/2130	गुरु	11/10/2138		00/00/0000
मंगल	11/06/2104	राहु	10/09/2118	गुरु	18/05/2131	शनि	11/05/2140		00/00/0000
राहु	29/06/2105	गुरु	11/05/2121	शनि	29/04/2132	बुध	11/10/2141		00/00/0000
गुरु	05/06/2106	शनि	11/07/2124	बुध	05/03/2133	केतु	12/05/2142		00/00/0000
शनि	15/07/2107	बुध	12/05/2127	केतु	11/07/2133	शुक्र	10/01/2144		00/00/0000
बुध	11/07/2108	केतु	11/07/2128	शुक्र	11/07/2134	सूर्य	11/07/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 10 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।